

उ मराठी भाषींनी देशों को अनावृत्त वीथण 'मोट' जमीन के नाम से
लोचिनाय के राजा पितापुत्र II ने 1876 ई. में ब्रिटिश सरकार के साथ एक संधि पर
हस्ताक्षर किया जो कि भारतीय संस्था की स्थापना में यूरोपीय देशों के साथ भाषणी विवादों का शांतिपूर्ण समाधान करने के लिए।

- फ्रांसीसी ने जाँको की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटारे के लिए माँगे की। यह नवंबर 1894 ई. से जून 1895 ई. तक चला। इसमें जाँको ने सभी यूरोपीय राज्यों को आपा-भाँट नोंपाबद्ध की व्यवस्था के लिए सम्मेलन संचालन के लिए एक भाषा की स्थापना हुई।
- जर्मन सम्मेलन में भूक्रीडा के शैक्षणिक व औद्योगिक विकास को ध्यान में रखा गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने भूक्रीडा को आपा-भाँट में शामिल करने के कई भयों के कारण लेनीन को हटा दिया नहीं हुआ।

विभिन्न यूरोपीय देशों के भूदृष्टि में वर्णन

श्रौत \Rightarrow अल्पीत्या, मोरम्, धूमिल, भाइवी नाल भादि
इत्थेण \Rightarrow मिल मत्त की

इलेक्ट्रॉन → मिल, धुन, दहीन भल्लीन, रंदाशिया केमा, नाइजीलीया

[illegible]

कुल्लुवाल = कुल्लुवाल, पूवी मोल्नायक